

कार्यालय भूमि सुधार उपसमाहर्ता, बगोदर-सरिया (गिरिडीह)।

श्यामदेव प्रसाद साहु

बनाम्

खादिम अंसारी वगै०

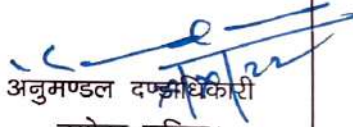
विविध वाद संख्या...०७...../2022-23

आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर


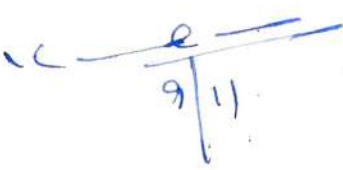

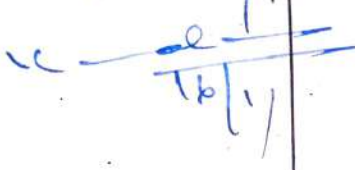
10/10/22

आवेदिक श्यामदेव प्रसाद साहु पिता स्व० किशुन दयाल साहु, साकिन-हेसला, थाना-बगोदर, जिला-गिरिडीह द्वारा आवेदन देकर प्रतिवेदित किया गया है कि मौजा-हेसला, खाता नं०-90/139, प्लॉट नं०-2145 हाल प्लॉट नं०-2145/2402, अंतर्गत कुल रकवा-37 डी० भूमि रैयती खाते की है जो आवेदक को अलग-अलग केवाला से खरीदगी हासिल है तथा उक्त जमीन की अलग-अलग जमाबंदी अंचल कार्यालय बगोदर में कायम है तथा मालगुजारी रसीद भी निर्गत होता चला आ रहा है, परन्तु उक्त भूमि पर द्वितीय पक्ष के खादिम अंसारी वगै० के द्वारा उपरोक्त भूमि पर विवाद उत्पन्न किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि पर विविध वाद प्रारंभ करते हुए उभय पक्षों को नोटिस निर्गत करें। अभिलेख दिनांक 17/10/22 को रखे।


अनुमण्डल दफ्तराधिकारी
बगोदर-सरिया।

क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
<u>17/10/22</u>	अभिलेख उपस्थापित। उभय पक्ष उपस्थित। अभिलेख दिनांक 20.10.22 को रखें।	
<u>20.10.22</u>	प्रथम पक्ष कचालतन हाजिर। द्वितीय पक्ष उपस्थित। विपक्षी के द्वारा लिखित अभिकथन एवं दस्तावेज दारिकल नहीं किया जाया। अगली तिथि तक निश्चित रूप से जवाब एवं दस्तावेज दारिकल करें अन्यथा एक पक्षीय आदेश पारित कर दिया जायेगा। दिनांक - 22.10.22 को उपस्थापित करें।	
22.10.22	प्रथम पक्ष कचालतन हाजिर। द्वितीय पक्ष उपस्थित। द्वितीय पक्ष के द्वारा एक पक्षीय कार्यवाही की सहमति दी गई, परन्तु पुनः समय की मांग की गई। जिसे आज तक के लिये स्वीकृत किया जाता है। अभिलेख दिनांक 27/10/22 को रखें।	

आदेश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
28/10/22	अभिलेख दिनांक 3.11.22 को रद्द उत्तर पक्ष वकालत हाजिर।	
3.11.22	अभिलेख उपलब्ध पक्षों में पीठासीन पदाधिकारी, अ-य. कार्य में उपलब्ध है। अभिलेख दिनांक 9.11.22 को रद्द। 	
<u>9.11.22</u>	प्रथम पक्ष वकालत हाजिर। द्वितीय पक्ष उपस्थित द्वितीय पक्ष लिखित अभिकथन एवं फाईल के साथ दस्तावेजों का रिक्वायस्ट किया गया। कारवाई हेतु दिनांक 12/11/22 को रद्द। 	
12/11/22	प्रथम पक्ष वकालत हाजिर। द्वितीय पक्ष उपस्थित। अभिलेख दिनांक 16.11.22 को रद्द। 	
16/11/22	उत्तर पक्ष वकालत हाजिर। उत्तर पक्ष को हुना/बाद साध। 	

आदेश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
18.11.22	<p style="text-align: center;"><u>आदेश</u></p> <p>आदेश हेतु अफसर ने एक उपस्थापित/पुनरागत वाद प्रथम पक्ष के आवेदन के आलोक में प्रारम्भ किया गया।</p> <p>आवेदक के अनुसार मी. सी. - इलाका, चाना - बजारे में स्थित खाना - 90/139, लॉट सं० - 2145/2402 रकबा 67 डी. बजारे के गण के माध्यम से पुनः आवेदन के दिनांक को हासिल है।</p> <p>पुनरागत भूमि का कापली केवारा होने के पश्चात् एक फ्लोड विस्फर लाहु द्वारा अन्य फ्लोड की पानी के नाम जमीन का इलाका कर दिया गया। मी. सी. रोड के चौड़ीकरण के दौरान उक्त आधार पर जमीन अधिग्रहण कर प्रथम पक्ष को मुआवजा भी दिया गया। अधिग्रहण के पश्चात् वर्तमान में प्रथम पक्ष के पास 37 डी. ई. जिल पर प्रथम पक्ष के द्वारा मकान निर्माण का कार्य</p>	

आदेश की क्र० सं०
और तारीख

आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर

आदेश पर की गई
कारवाई के बारे में
टिप्पणी तारीख सहित

✓ 1

2

3

किया जा रहा है तथा
निर्माण कार्य सुपर स्ट्रक्चर
तक पूरी भी हो गया है,
परन्तु डिप्टी पदा जबरन
उक्त कार्य में बिना किसी
कागजात एवं एक के व्यवधान
उपस्थित कर रहे हैं।

आगे आवेदक का
कहना है कि उद्देश्य भूमि
की जमाबंदी उक्त पदा
के पिता एवं पत्नी के नाम
पर मान्यकारी रसीद भी
निर्गत हो रहा है। उक्त
पदा के द्वारा अपने दादा
के सम्पत्ति में जमान रसीद
की खाद्या प्रति विडिय पत्र
की खाद्या प्रति एवं भूअर्जन
द्वारा जमीन अधिग्रहण
पदा की खाद्या प्रति दाखिल
किया गया है।

डिप्टी पदा उपस्थित
होकर निरिक्त एवं मास्किड
रूप से अपना पदा रखा।
डिप्टी पदा के अड्डार उनके
दादा दरबारी मिथां को एक
मिना जमीन खाना सं०-90/32
[खार सं०-2145, रकबा 1.25 एकड़]
हुकुमनामा के जरिये राजा
पदा के द्वारा वर्ष 1938

आदेश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
3	<p>में हासिल हुआ था। जमींदारी अनुदान के पश्चात् वर्ष 1953 से दरबारी मिचों के नाम से सरकारी रसीद करती आ रही है। विपत्ती अनुदान 7 अक्टूबर 2022 को कलकत्ता उन्के दरवाजा कब्जा को बाधित करने हेतु जमीन पर चढ़ आये। साथ ही उनका आगे कहना है कि डिजीय प्लान्ट डारा हवलवा बाद सं० 145/2022 माननीय सब जज गिरिडीह के न्यायालय में दर्ज किया जाया है। ऐसी परिस्थिति में यथा स्थिति कायम रखने का आदेश दोनों पक्षों को देना न्यायोचित होगा।</p> <p>डिजीय प्लान्ट के डारा अपने दावे के समर्थन में सरकारी नजान रसीद सं० 113348, 069871, 016832, 079720 की की जाया उत्ति एवं हवलवा बाद के Plant की जाया उत्ति दरिवाला किया जाया है।</p> <p>उभय पक्षों डारा दरिवाला लिखित अभिव्यक्त एवं दस्तावेजों का अवलोकन</p>	

दिश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3

विद्या 1.

1. प्रथम पक्ष के द्वारा
खाना - 90/139 की जमीन
का दावा किया जा रहा है
जबकि द्वितीय पक्ष के द्वारा
दारिकल राजस्व रसीद एवं
अन्य कागजात खाना - 90/32
से सबबन्धित है।

2. द्वितीय पक्ष द्वारा
जो स्वतः बाद दारिकल
किया गया है वह खाना -
90/32 से सबबन्धित है।

3. द्वितीय पक्ष के द्वारा
दारिकल हुबमनामा जिसके
आधार पर दावा करने हैं
में खाना - 90/32, एनार - 2145
से अंकित है।

उक्त विवेचन से
स्पष्ट है कि उभय पक्षों
द्वारा दावा किये जा रहे
भूमि का खाना एनार
अनार - अनार है। ऐसी
परिस्थिति में द्वितीय पक्ष
के द्वारा कोई व्यवधान
उत्पन्न करना उचित नहीं
नहीं होगा है। अतः द्वितीय
पक्ष को आदेश दिया जाता
है कि प्रथम पक्ष के भूमि
पर किसी प्रकार का व्यवधान
उत्पन्न नहीं करें।
(बाद की कार्यवाही समाप्त
की जाती है)